स्ट्रीट लाइटें संचालित होंगी रिमोट कंट्रोल से: बचेगी बिजली, चोरी भी रूकेगी

- वसंत कुंज में पायलट प्रोजेक्ट शुरू
- सूर्योदय व सूर्यास्त के हिसाब से स्वतः जलेंगी-बुझेंगी स्ट्रीट लाइटें
- सिर्फ वसंत कुंज इलाके में सालाना बचेगी 17 लाख यूनिट बिजली
- पूरे बीएसईएस इलाके में बचेगी 600 लाख यूनिट बिजली

नई दिल्ली, 13 फरवरी, 2007 । अब बीएसईएस इलाके की स्ट्रीट लाइटें रिमोट कंट्रोल से संचालित की जाएंगी। इससे एक ओर जहां बड़े पैमाने पर बिजली की बचत होगी, वहीं काफी मात्रा में बिजली चोरी भी रूकेगी। रिमोट कंट्रोल द्वारा स्ट्रीट लाइटों का संचालन अभी पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर वसंत कुंज में शुरू किया गया है। यहां 4000 स्ट्रीट लाइटों का संचालन रिमोट कंट्रोल से किया जा रहा है। पायलट प्रोजेक्ट के दूसरे चरण में हौज खास इलाके में स्थित 3500 से ज्यादा स्ट्रीट लाइटों का संचालन रिमोट कंट्रोल से शुरू किया जाएगा। पायलट प्रोजेक्ट की सफलता व असर को देखते हुए इस प्रोजेक्ट को बीएसईएस के बाकी इलाकों में भी शुरू किया जाएगा।

खास बात यह है कि माइक्रो प्रोसेसर द्वारा कंटोल होने वाला यह सिस्टम काफी संवेदनशील है और स्ट्रीट लाइटें सूर्योदय और सूर्यास्त के हिसाब से अपने आप ही जलेंगी व बुझेंगी।

वसंत कुंज के पॉकेट ए, बी, सी, डी, अंधेरिया बाग, मसूदपुर और एयरपोर्ट की ओर जानी वाली सड़कों पर लगीं 4000 से अधिक स्ट्रीट लाइटों को रिमोट कंट्रोल संचालन से जोड़ा गया है। पायलट प्रोजेक्ट पर 20 लाख रूपये की लागत आई है। और खास बात यह है कि पायलट प्रोजेक्ट को दो महीने से भी कम के रेकॉर्ड समय में पूरा किया गया है। वसंत कुंज इलाके में स्ट्रीट लाइटों का रिमोट कंट्रोल द्वारा संचालन से 17 लाख यूनिट बिजली की सालाना बचत हो पाएगी।

इस सिस्टम में बिजली चोरी रोकने के भी खास इंतजाम हैं। हर स्ट्रीट लाइट पर बिजली के लोड की सीमा तय की गई है। ऐसे में, अगर कोई व्यक्ति किसी स्ट्रीट लाइट पर कंटिया डालकर बिजली चुराने की कोशिश करता है, तो अपने आप ही उस स्ट्रीट लाइट की बिजली आपूर्ति बंद हो जाएगी और सिस्टम को पता चल जाएगा कि वहां बिजली चोरी करने की कोशिश की जा रही है।

बीएसईएस प्रवक्ता का कहना है कि जब यह सिस्टम पूरे बीएसईएस इलाके में शुरू हो जाएगा, तब इससे सालाना करीब 600 लाख यूनिट बिजली की बचत होगी। अपने उपभोक्ताओं को बेहतरीन सुविधाएं व सेवाएं उपलब्ध कराने की बीएसईएस की एक और पहल है स्ट्रीट लाइटों का रिमोट कंट्रोल से संचालन। उल्लेखनीय है कि बीएसईएस इलाके में 98 प्रतिशत स्ट्रीट लाइटें कार्य कार रही हैं।

करीब 1000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले बीएसईएस इलाके में 2 लाख 60 हजार स्ट्रीट लाइटें हैं और किसी भी तय समय में ये स्ट्रीट लाइटें 40 मेगावॉट बिजली की खपत करती हैं। मैनुअल स्विच ऑफ. स्विच ऑन सिस्टम की वजह से काफी बिजली बरबाद होती है और असामाजिक तत्व स्ट्रीट लाइटों से बिजली की चोरी भी करते हैं। लेकिन स्ट्रीट लाइटों के रिमोट कंटोल से संचालन की वजह से न सिर्फ भारी मात्रा में बिजली की बचत होगी, बल्कि बिजली की चोरी भी कम होगी। प्रोग्रामेबल स्ट्रीट लाइट कंटोलर (पीएसएलसी) प्रोजेक्ट को हैदराबाद के सिरीकॉम टेक्नोलॉजीस की सहायता से शुरू किया गया है।